केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे। प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	[illegible] में)	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16					

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	...ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
K. DAHERIYA 9770439	E/77/24/1075

(2)

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

BSE

प्रश्न क्र० 1 का उत्तर

~~(ब) जमुनापारी~~

(i) (a) जमुनापारी

(ii) (a) 10

(iii) (c) एन्थ्रेक्स का

(iv) (b) मछली से

(v) (b) नर शूकर है

(vi)

5 + 6 = 11

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 2 का उत्तर

(I.) लोदी।

(II) राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड।

(III) 4 °C।

(iv) आंतरिक या अंतः।

(v) मछली।

(vi) 114 दिन।

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र 3 का उत्तर

(I) सत्य

(II) असत्य (∵ संपूर्ण मिल्क पाउडर में नमी = 4%)

(III) असत्य (∵ NCDC की स्थापना = 1962)

(IV) असत्य (∵ इन्क्यूबेटर का ताप = 100 °F)

(V) असत्य

(VI) सत्य

P.T.O.

16 × 5 = 24

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 4 का उत्तर

(i) एवीपॉक्स वाइरस → (c) फाउल पॉक्स

(ii) गलघोंटू → (d) पाश्चुरेला बोविसेप्टिका

(iii) चंगड़ी → (f) क्लास्ट्रीडियम सोवियाई

(iv) ग्रोअर → (e) मुर्गी

(v) साल्मोनेला जीवाणु → (a) पुलोरम

P.T.O

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 5 का उत्तर

(i) आइसक्रीम का ओवर रन = $\frac{\text{आइसक्रीम का आयतन} - \text{मिश्रण का आयतन}}{\text{मिश्रण का आयतन}} \times 100$

(ii) रानीखेत बीमारी का अन्य नाम न्यूकैसिल्स/न्यूकैसिल है।

(iii) हरे चारे वाली फसल को ~~खेत में उगाकर~~ पुष्पीय अवस्था में उगाकर तुरंत ताजा हरा चारा पशुओं को खिलाना सॉयलिंग कहलाता है। ऐसा करने से खेत में फैंसिग करने की आवश्यकता नहीं होती है।

(iv) पैर डुबकी में उपयोगी एक रसायन नीला थोथा है।

(v) दूध में उपस्थित केसीन को स्कंदित करके बनाया जाने वाला पदार्थ पनीर है।

26 + 2 = 28

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 6 का उत्तर

[अथवा]

हिसारडेल भेड़ की दो पहचान निम्नलिखित हैं —

(1.) हिसारडेल भेड़ के कान पत्ती के समान आकार के होते हैं।

(2.) हिसारडेल, भेड़ की एक द्विकाजी नस्ल हैं जिससे ऊन व मांस दोनो प्राप्त किया जा सकता हैं।

(3.) हिसारडेल एक संकर नस्ल हैं, जो मेरिनो के नर व बीकानेरी मादा के संकरण से बनी हैं।

P.T.O

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 7 का उत्तर

अथवा

मक्खन का औसत संगठन निम्नलिखित है —

अवयव		% मात्रा
(I)	नमी	16 %
(II)	वसा	80 %
(III)	प्रोटीन	1 %
(IV)	लैक्टोज	0.5 %
(V)	खनिजतत्व / राख	1 %
(VI)	नमक	2 %

B
S
E

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 8 का उत्तर

घी में वसा व नमी प्रतिशत निम्नलिखित हैं —

	अवयव	% मात्रा
(i)	वसा	99.5 %
(ii)	नमी	0.5 %

B
S
L

P.T.O

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

B S E

प्रश्न क्र० 9 का उत्तर

पनीर चेडडर पनीर का संघटन निम्नलिखित हैं —

	अवयव	% मात्रा
(I.)	नमी	30-32% ~~25-35~~ %
(II.)	वसा	25-35 %
(III.)	प्रोटीन	25-26 %
(IV.)	लैक्टोज	1-1.5 %
(V.)	खनिज तत्व	3.5-4 %

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 10 का उत्तर

[अथवा]

हे बनाते समय पोषक तत्वों की होने वाली दो हानियाँ निम्नलिखित हैं —

(I.) पत्तियो के झड़ने से हानि — हे बनाते समय पत्तियो के झड़ जाने से कई तरह के पोषक तत्व की हानि होती हैं।

B S E

(II) रिसाव द्वारा हानि — हे बनाते समय वर्षा के हो जाने से कई पोषक तत्वो का रिसाव हो जाता हैं जिससे हे में पोषक तत्व की मात्रा कम हो जाती हैं।

(III) विटामीन की हानि — हरे चारे में विटामिन ए की मात्रा अधिक होती हैं, लेकिन जब इन्हे सुखाकर हे बनाया जाता हैं। तो इससे विटमिन A की हानि होती हैं।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 11 का उत्तर

(अथवा)

विषज्वर

रोगकारक — बेसिलस एन्थ्रेसिस ।

लक्षण — विषज्वर रोग के दो लक्षण निम्नलिखित हैं —

(1.) विषज्वर रोग में पशु की तिल्ली का आकार बढ़ जाता है।

(2.) विषज्वर रोग में पशु के प्राकृतिक छिद्रों से काला कोलतार के समान द्रव निकलता है।

(3.) विषज्वर रोग में पशु की नाड़ी गति तीव्र हो जाती है, व शरीर का तापमान बढ़ जाता है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 12 का उत्तर

शहरी बकरी का नाम बरबरी हैं।

विशेषताएँ :- बरबरी बकरी की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं —

(1.) बरबरी बकरी का गर्भकाल 145 दिनो का होता हैं।

(2.) बरबरी बकरी 1-1.5 लीटर दूध का उत्पादन करती हैं।

(3.) बरबरी बकरी एक ब्यॉत में 2-3 बच्चो को जन्म देती हैं।

(4.) बरबरी बकरी एक जगह खड़े रहकर खाना पसंद करती हैं।

P.T.O

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 13 का उत्तर (अथवा)

संघनित दूध बनाने के तीन चरण निम्नलिखित हैं —

(1.) दूध का मानकीकरण :— संघनित दूध तैयार करने के लिए सर्वप्रथम दूध को चयन करके उसका मानकीकरण किया जाता हैं, ताकि एक अच्छे किस्म का संघनित दूध तैयार किया जा सके। दूध में वसा की मात्रा कम हो तो ऐसे दूध का चयन नहीं किया जाता हैं। और यदि दूध मे वसा की मात्रा अधिक होती हैं तो उसे निकालकर एक मानक दूध प्राप्त किया जाता हैं।

(II) दूध का पूर्वोष्ण :— दूध का चयन करने के बाद उसे 62°C तापक्रम पर 30 मिनट के लिए गर्म किया जाता हैं, ताकि दूध में उपस्थित सूक्ष्मजीव नष्ट हो सके।

(III) दूध मे शक्कर मिलाना :— पूर्वोष्ण के बाद तीसरे चरण में दूध में शक्कर मिलाई जाती हैं। यह शक्कर दूध के आधार पर मिलाई जाती हैं। पूर्वोष्णि किया गया कुल दूध ~~को~~ में लगभग 25% शक्कर मिलाई जाती हैं।

B S E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

(iv) दूध को शून्यांक ताप पर गर्म करना।

(v) भंडारण करना।

प्रश्न क्र० 14 का उत्तर [अथवा]

प्रोब, स्पैचुला तथा डोसिंग मशीन के उपयोग निम्नलिखित हैं —

(I.) **प्रोब** :— यह स्टेनलेस स्टील का बना एक यंत्र होता है, जिसकी लंबाई 15cm होती है।

उपयोग — प्रोब का उपयोग घावों की लंबाई नापने व घावों में दवा लगाने के लिए किया जाता है।

(II) **स्पैचुला का उपयोग** :— स्पैचुला का उपयोग विभिन्न प्रकार की दवाओं को मिलाकर मरहम/मलम तैयार करने के लिए किया जाता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

(III) डॉकिंग मशीन :— डॉकिंग मशीन का उपयोग पशुओ की पूँछ काटने के लिए किया जाता हैं। विशेषकर इस मशीन का उपयोग भेड़ में नीली मक्खी से बचाव हेतु करते हैं।

B
S
E

प्रश्न क्र० 15 का उत्तर (अथवा)

बीमार पशु के लक्षण निम्नलिखित हैं —

(I.) बीमार पशु के शरीर का तापक्रम, नाड़ी गति व श्वसन दर अनियमित ~~हेल~~ हो जाती हैं।

(II) बीमार पशु के मल से दुर्गंध आने लगती हैं।

(III) बीमार पशु ठीक तरह से जुगाली की क्रिया नही करता हैं।

(iv.) बीमार पशु के मुँह से लार लपकती रहती हैं।

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYED

प्रश्न क्र.

(v) बीमार पशु प्रायः बेचैन रहता हैं व एक ही स्थान पर बैठे रहता हैं।

(vi) बीमार पशु की दुग्ध उत्पादन क्षमता कम हो जाती हैं।

(vii) बीमार पशु की आँखो में कीचड़ आने लगता हैं।

(viii) बीमार पशु प्रायः सुस्त दिखाई पड़ता हैं।

S
E

P.T.O

योग पूर्व पृष्ठ

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० ~~15~~ 16 का उत्तर

आइसक्रीम के तीन खाद्य महत्व निम्नलिखित हैं —

(1) आइसक्रीम में दूध की अपेक्षा 4-5 गुना वसा अधिक होती है। जिससे उसका कैलोरी मान बढ़ जाता है, व ऊर्जा भी अधिक प्राप्त होती हैं।

(2) आइसक्रीम में दूध की अपेक्षा 12-15 गुना प्रोटीन अधिक होती हैं। इसीलिए आइसक्रीम शरीर के लिए अधिक पौष्टिक होती हैं।

(3) आइसक्रीम में सभी प्रकार के आवश्यक अमीनो अम्ल उपस्थित होती हैं।

(4) आइसक्रीम में सभी विटामिन पर्याप्त मात्रा मे उपस्थित होते हैं।

(5) आइसक्रीम में अण्डा व नमक आदि तत्व उपस्थित होते हैं, जो दूध में नही पाए जाते हैं।

BSE

50 + 9 = 59

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र॰ 17 का उत्तर [अथवा]

रानीखेत

रानीखेत रोग की खोज का वर्ष — रानीखेत रोग की खोज सन् 1928 में हुई। सर्वप्रथम यह रोग कुँमाऊ की पहाड़ियो मे रहने वाले लोगो ने देखा। इसी समय यह रोग इंग्लेण्ड के न्यूकेसिल्स शहर मे भी देखा गया था।

लक्षण :— रानीखेत रोग के निम्नलिखित लक्षण हैं —

(I.) श्वसन तंत्र पर — रानीखेत ~~खेत~~ रोग मे पक्षी को साँस लेने में परेशानी होती हैं, व पक्षी का आधा मुँह खुला रहता हैं। पक्षी के मुँह से सीटी के समान आवाज भी आती हैं।

(II.) पाचन तंत्र पर — रानीखेत रोग में पक्षी को पानी के समान दस्त लग जाते हैं, जिससे चूने के समान गंध आती हैं।

(III) तंत्रिका तंत्र पर — रानीखेत रोग मे पक्षी की कलंगी नीली/बेंगनी पड़ जाती हैं, व पक्षी गोल-गोल चक्कर काटने लगता हैं।

B S E

P.T.O

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 18 का उत्तर (अथवा)

पशु आहार नियत करने के चार सिद्धांत निम्नलिखित हैं —

(I.) शुष्क पदार्थ — गाय के 100 लीटर kg. शरीर भार पर दूध में 2.5 किलोग्राम शुष्क पदार्थ व भैंस के 100 kg. शरीर भार पर 3 kg. शुष्क पदार्थ देना चाहिए।

(II) दाना — गाय के तीन लीटर दूध पर 1 kg. दाना व भैंस के 2.5 लीटर दूध पर 1 kg. दाना दिया जाता है।

(III) नमक — एक पशु को प्रतिदिन 50-60 gm नमक आहार में मिलाकर देना चाहिए।

(IV.) पानी — एक दुधारू पशु को प्रतिदिन 30-35 लीटर पानी की आवश्यकता होती है।

(V.) पशु को कुल आहार का (66%) 2/3 भाग सूखे व हरे चारे से व (33%) 1/3 भाग दाने से देना चाहिए।

BSE

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 19 का उत्तर [अथवा]

पशु जाँचकर्ता के चार गुण निम्नलिखित हैं —

(1) पशु जाँचकर्ता को पशु की बाहरी व आंतरिक शरीर रचना का संपूर्ण ज्ञान होना चाहिए।

(2) पशु जाँचकर्ता को पशु के वांछनीय व अवांछनीय गुणो की जानकारी होना चाहिए।

(3) पशु जाँचकर्ता को अपने निर्णय पर दृढ़ होना चाहिए।

(4) पशु जाँचकर्ता अनुभवी होना चाहिए।

(5) पशु जाँचकर्ता को उस कार्य के प्रति रूचि होना चाहिए।

(6) पशु जाँचकर्ता को पशु की नस्लो के बारे मे संपूर्ण जानकारी होना चाहिए।

P.T.O

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र० 20 का उत्तर [अथवा]

इन्क्यूबेटर के प्रयोग के चार लाभ निम्नलिखित हैं —

(I.) कम समय में चूजे प्राप्त :—
इन्क्यूबेटर के द्वारा चूजो के अण्डो को सेने पर केवल 18 दिन में ही चूजे प्राप्त किए जा सकते हैं।

(II.) चूजो में रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक :—
इन्क्यूबेटर से प्राप्त चूजो में रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती हैं।

(III.) किसी भी समय अण्डे को सेना :—
इन्क्यूबेटर के द्वारा किसी भी समय अण्डे को सेने का कार्य किया जा सकता हैं।

(IV.) कुड़क मुर्गी की आवश्यकता नहीं :—
इन्क्यूबेटर से अण्डे सेने में कुड़क मुर्गी की आवश्यकता नही होती हैं।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

यही कारण है, कि वर्तमान समय में बड़े-बड़े मुर्गीफार्मों पर इन्क्यूबेटर मशीन का प्रयोग किया जा रहा है। ताकि अण्डे का उत्पादन बढ़ाया जा सके। यह वह मशीन होती है, जिसके द्वारा कृत्रिम रूप में अण्डे सेने का कार्य किया जाता है। विदेशों में इस मशीन का प्रचलन अधिक है।

BSE